

बिहार की मूल निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरी में 35 % आरक्षण; नीतीश कैबिनेट में 43 प्रस्तावों पर लगी मुहर

सीएम नीतीश कुमार ने समाज कल्याण, सामान्य प्रशासन, पंचायती राज, पथ निर्माण, कृषि विभाग समेत कई अन्य विभागों के कुल 43 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर स्वीकृति लगा दी।

मुख्यमंत्री नीतीश की अध्यक्षता में मंगलवार सुबह 10.30 से शुरू हुई कैबिनेट बैठक करीब एक घंटे तक चली। बैठक में 43 प्रस्तावों पर मुहर लगा दी गई।

इस दौरान बिहार की सभी सरकारी सेवाओं में हर स्तर पर सभी प्रकार की मदों पर सीधी नियुक्तियों में राज्य की मूल

संक्षिप्त समाचार

भाषा विवाद के बीच निशिकांत दुबे का राज ठाकरे पर हमला; बोले- कभी यूपी-बिहार आओ, तुम्हें...

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे पर हिंसा और गुंडागर्दी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह आने वाले बीएमसी चुनाव में हार के डर से ऐसा करते हैं। दुबे ने ठाकरे को मराठा समुदाय से अपनी लड़ाई न जोड़ने की नसीहत दी। राज ठाकरे के ‘मारो लेकिन वीडियो मत बनाओ’ वाले बयान पर दुबे ने तीखा पलटवार करते हुए उन्हें बिहार-यूपी आने की चुनौती दी।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे पर हमला बोला। यह बयान राज्य में हिंदी-मराठी भाषा विवाद के बीच मनसे कार्यकर्ताओं की ओर से की गई कथित हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं के सामने आने के बाद आया है।निशिकांत दुबे ने 2007 की एक घटना का हवाला दिया, जिसका कथित तौर पर विकीलीक्स में जिक्र किया गया था। इसमें बताया गया था कि मनसे कार्यकर्ताओं ने बिहार के एक छात्र पर हमला किया। दुबे ने कहा कि गुंडागर्दी ही राज ठाकरे का एकमात्र उद्देश्य है और वह यह सब मुंबई नगर निगम चुनाव हार के डर से करते हैं।%बर्दाश्त करने की सभी सीमाएं पर हो चुकीं% एक्स पर एक पोस्ट में निशिकांत दुबे ने लिखा, जब राज ठाकरे को जन समर्थन नहीं मिलता, तो वह अपने गुंडों को आगे कर देते हैं। इसका मतलब है कि गुंडागर्दी ही उनका एकमात्र उद्देश्य है, जो वे मुंबई नगर निगम चुनाव से ठीक पहले हार के डर से करते हैं।



निवासी महिला अभ्यर्थियों को ही 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ दिए जाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई। यानी बाहर के राज्य की महिला को बिहार में 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ का नहीं मिलेगा इसमें एक अहम प्रस्ताव बिहार के युवाओं के लिए भी है। जिस

पर सीएम नीतीश कुमार ने अपनी स्वीकृति दे दी है। यानी अब बिहार में युवा आयोग का गठन किया जाएगा। सीएम नीतीश ने इसका खुद ही एलान किया। इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग के एक और महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सीएम नीतीश कुमार ने मुहर लगा

दी।इसके अलावा समाज कल्याण विभाग मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना संबल अंतर्गत राज्य के पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं सामान्य वर्ग के पुरुष दिव्यांग अभ्यर्थियों को राज्य के सद्‌श्य सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कोई

आर्थिक सहयोग देय नहीं होगा। बिहार सरकार की ओर से बताया गया कि प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी के लिए पचास हजार और एक लाख रुपये की राशि दिव्यांगजनों दी जाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई है।

जलशक्ति मंत्री का अखिलेश यादव पर पलटवार, बोले- नदियों पर अतिक्रमण कराने वालों को बोलने का अधिकार नहीं

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अखिलेश यादव पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि नदियों पर अतिक्रमण कराने वालों को बोलने का अधिकार नहीं है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जोरदार पलटवार किया है। अखिलेश की ओर से सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए आरोपों के जवाब में स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा प्रमुख जनता को गुमराह करने के लिए नए-नए बहाने ढूंढ रहे हैं। सपा के कार्यकाल में प्रदेश की नदियों की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं थी। हमारी सरकार नदियों को पुनर्जीवन देने के



बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि अखिलेश सरकार के कार्यकाल में नदियों पर अतिक्रमण को बढ़ावा दिया गया, जबकि योगी सरकार इन अतिक्रमणों को हटाने और नदियों को पुनर्जीवित करने का महाभियान चला रही है। नमामी

गंगे योजना और अमृत सरोवर योजना के तहत कई नदियों, नालों और तालाबों को पुनर्जीवित किया गया है। सपा के मुंह से सनातन, कांवड़ यात्रा और नदियों की बातें शोभा नहीं देती।युवाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा सरकार ने काशी में वरुणा कॉरिडोर, लखनऊ में गोमती रिवर फ्रंट और जेपीएनआईसी (जेपी नारायण इंटरनेशनल सेंटर) जैसे प्रोजेक्ट्स में सपा के अराजक तत्वों को ठेके देकर पैसा कमाने का मौका दिया। जेपीएनआईसी के लिए बनाई गई समिति के जरिये भ्रष्टाचार किया गया। इसे

योगी सरकार ने खत्म कर दिया। अब जेपीएनआईसी की व्यवस्था लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंपी गई है। इससे युवाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे। कांवड़ियों पर बरसाते थे डंडे-कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सपा सरकार ने कांवड़ यात्रियों पर बर्बर लाठीचार्ज करवाया और कांवड़ मार्ग पर अपने चाहने वालों के होटल-ढाबे खोलकर पवित्र यात्रा को अपवित्र करने का प्रयास किया। स्वतंत्र देव सिंह ने दावा किया कि इन ढाबों के जरिये कांवड़ियों के भोजन को अपवित्र करने का कार्य होता था।

ट्रेडिंग बाजार बड़े खिलाड़ियों के खेल का मैदान, जेन स्ट्रीट मामले को लेकर राहुल गांधी का तंज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि शेयर बाजार का एफएंडओ सेगमेंट अब बड़े खिलाड़ियों के लिए खेल का मैदान बन गया है, जिससे छोटे निवेशक नुकसान उठा रहे हैं। सेबी द्वारा जेन स्ट्रीट पर कार्रवाई के बावजूद भी राहुल गांधी सवाल उठा रहे हैं कि यह कदम इतनी देर से क्यों उठाया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जेन स्ट्रीट मामले को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि वायदा एवं विकल्प



(एफएंडओ) ट्रेडिंग बाजार अब बड़े खिलाड़ियों के खेल का मैदान बन गया है। खुदरा निवेशक इसका सबसे ज्यादा खामियाजा भुगत रहे हैं। राहुल गांधी की यह टिप्पणी तब आई है, जब भारतीय शेयर बाजार

नियामक सेबी ने जेन स्ट्रीट नाम की विदेशी कंपनी को शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी का आरोप है कि कंपनी ने कथित तौर पर गलत तरीके से ट्रेडिंग कर के हजारों करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है।

छोटे निवेशकों की जेबें हो रहीं खाली राहुल गांधी ने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट किया। गांधी ने कहा कि उन्होंने 2024 में साफ कहा था कि एफएंडओ मार्केट बड़े खिलाड़ियों के खेल का मैदान बन गया है, और छोटे निवेशकों की जेबें लगातार खाली हो रही हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, अब सेबी ने खुद स्वीकार किया है कि जेन स्ट्रीट ने हजारों करोड़ की हेराफेरी की। सेबी इतने लंबे समय तक चुप क्यों रही? किसके इशारे पर

मोदी सरकार आंखें मूंदकर बैठी रही? राहुल ने पूछा- और कितने बड़े खिलाड़ी छोटे निवेशकों को लूट रहे हैं राहुल गांधी ने 24 सितंबर, 2024 की अपनी पुरानी पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा, और कितने बड़े खिलाड़ी अभी भी छोटे निवेशकों को लूट रहे हैं?% सेबी द्वारा जेन स्ट्रीट पर गलत रणनीति अपनाकर इंडेक्स ऑप्शंस में 43,000 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा कमाने के आरोपों के बीच, राहुल गांधी

ने सोमवार को सेबी के बारे में एक्स पर एक नया पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में गड़बड़ी वाली एफएंडओ ट्रेडिंग में 45 गुना बढ़ोतरी हुई है। पिछले तीन वर्षों में 90 फीसदी छोटे निवेशकों ने औसतन 1.8 लाख करोड़ रुपये गंवाए हैं। सेबी के पास हेरफेर करने वाली ट्रेडिंग गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की सभी शक्तियां पांडे इससे पहले दिन में, सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा कि

नियामक के पास न्यूयॉर्क मुख्यालय वाली ट्रेडिंग प्रमुख जेन स्ट्रीट ग्रुप से संबंधित मामले में हेरफेर करने वाली ट्रेडिंग गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की सभी शक्तियां हैं, जो कि वैश्विक दिग्गज को भारतीय शेयर बाजार से प्रतिबंधित करने के लिए जारी किए गए अंतरिम आदेश से बहुत स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि अधिक विनियमन की बजाय प्रवर्तन और निगरानी की आवश्यकता है, और जेन स्ट्रीट मामले में आदेश अपने आप में बोलता है।%

खरगे ने राष्ट्रपति मुर्मू के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का किया इस्तेमाल, भाजपा की मांग- माफी मांगें

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी के इशारे पर रिमोट कंट्रोल वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आदिवासी विरोधी, दलित विरोधी, महिला विरोधी और संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाजपा ने कहा कि यह कांग्रेस के आदिवासी विरोधी चेहरे को दिखाता है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का भी अपमान किया। सभी मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस पार्टी की निंदा कर रहा है। आप राष्ट्रपति को बिना किसी सम्मान के मुर्मा जी कहकर संबोधित करते हैं और फिर अंत में उन्हें भूमाफिया बताते हैं। पूरा देश जानता है कि अगर देश में कोई भूमाफिया है तो वह फर्जी गांधी परिवार है। राहुल गांधी के इशारे पर दे रहे आदिवासी विरोधी बयान गौरव भाटिया ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे राष्ट्रपति द्रौपदी



मुर्मू जी को मुर्मा जी बुलाते हैं और पूर्व राष्ट्रपति जी राम नाथ कोविंद जी को कोविड बुलाते हैं। खरगे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भू-माफिया बताते हैं, कहते हैं, ये हमारी जमीन और जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं। राहुल गांधी के इशारे पर रिमोट कंट्रोल वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आदिवासी विरोधी, दलित विरोधी, महिला विरोधी और संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं।%खरगे से माफी की मांग भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि उदित राज कहते हैं कि किसी देश को द्रौपदी मुर्मू जैसी राष्ट्रपति नहीं मिलनी चाहिए। अधीर रंजन

चौधरी राष्ट्रपति को राष्ट्रपति कहकर संबोधित करते हैं। यह एक आदिवासी महिला के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी है। कांग्रेस नेताओं को लगता है कि सिर्फ फर्जी गांधी परिवार के सदस्य ही देश में संवैधानिक पदों पर बैठ सकते हैं। अजय कुमार कहते हैं कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुरी मानसिकता को दर्शाती हैं। आज मल्लिकार्जुन खरगे का आपत्तिजनक बयान सबूत है कि उनकी कोई जुबान नहीं फिसली है। यह जानबूझकर किया गया। हम मल्लिकार्जुन खरगे से मांग करते हैं कि वे अपने बयान पर माफी मांगें।

कांग्रेस नेता ने भाजपा पर कसा तंज: अजय राय ने पौधरोपण अभियान पर दिया बयान, मुख्यमंत्री को लेकर कही बड़ी बात



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका भौतिक सत्यापन कराएं। पूरे बनारस में आपने पेड़ काट डाले। (भाजपा) झूठी मार्केटिंग कर रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 35 करोड़ पेड़ कहां लगे हैं? उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने पौधरोपण अभियान को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल इवेंट मैनेजमेंट का काम कर रही है।कहा कि 35 करोड़ पेड़ कहां लगे हैं?

संपादकीय Editorial

Marking of rights

Himachal Pradesh Chief Minister Sukhvinder Sukhu has once again underlined the importance of natural economy while marking his rights. It was rainy season and the Tapovan Vidhan Sabha premises were showing how big is the umbrella of the mountain sky which can protect the lap of the country. Himachal is actually giving a mountainous feeling on the foundation of Commonwealth Parliamentary Union Conference. As important as environmental protection policies are, so important are separate policies for the mountainous states. Mountainous states are environmental states in every form and nature. The country gets all the blessings of Himalayas, so why are the sobs left in their name alone. The initial phase of the arrival of rains has looted the properties of Himachal, so the national calculation of the estimation of disaster should be honest. One week did not cost a thousand crores, but stopped every enthusiasm of life. When the pace of the state stops from home to the government, then these wounds need a balm. This is the result of that wait which dries up the soil of the plains in summer, makes eighty percent of the country wither due to water crisis, tensions increase between many states and then a cry starts to be raised ‘Allah give clouds, give water’, but when the rains come, the value and wealth of the mountains is forgotten. If the value of water can be determined directly through international diplomacy, then why not domestic issues. To consider water as a resource, first of all, look at those issues where many state governments are rubbing their heads in the files of the Honorable Supreme Court. If the execution of water sharing between Punjab-Haryana and many states of South India is like a ‘property right’, then first of all it is the right of the Himalayas, the right of the states that protect the Himalayas. Even though Himachal has four seats in the Lok Sabha, but the mountain concerns of forty to forty-two parliamentary seats of the entire Himalayan states are the same. In such a situation, if the economic and developmental structure of the Himalayan region is to be uplifted while keeping the environmental existence alive, then there is a need to form an independent 'Ministry of Mountain Development' at the Centre. This is also necessary because the Kandi region of Punjab and areas like Darjeeling, Kalimpong, Rimbik, Kurseong and Sandakphu in West Bengal cannot be developed on the conditions of the plains. On the other hand, even if the Centre's financial help works to cover up the unrest in Kashmir and the Northeast, the establishment of a 'Ministry of Mountain Development' is the need of the hour to do justice to the entire Himalayan region. In the past, during Prem Kumar Dhumal's tenure as Chief Minister, an impressive function was held at Chakmoh College, connecting the threads of the cultural, economic and social background of the Himalayan states; more or less the same sentiments excite the Chief Minister of the state in the Tapovan campus. The demand letter and efforts of Shanta Kumar, due to which Himachal moved ahead with the royalty of free electricity, the repetition of that feeling is now raising the self-respect of the state in water assets. In this context, the role of Tapovan has raised the flag of identity of hill states. By organizing the Commonwealth Parliamentary Union Conference, Assembly Speaker Kuldeep Singh Pathania has increased the relevance of the Tapovan campus. Like the sari of democratic traditions, this campus has collected these moments. Obviously, if further efforts are made, then some other such national level programs and training of MLAs will also be started in the activities of the Tapovan campus.

Decisions that trouble the public, fuel ban on old vehicles in Delhi

According to the order of the Air Quality Management Commission in the capital, diesel vehicles older than 10 years and petrol vehicles older than 15 years will not be given fuel. The Delhi government has asked the commission to withdraw its decision. The main reason for pollution is old vehicles and dust flying on the roads. Pollution also increases due to traffic jams because vehicles move at a slow speed. Recently, this order of the Air Quality Management Commission (CAQM) in the capital created trouble for lakhs of vehicle owners in Delhi and NCR that diesel vehicles older than 10 years and petrol vehicles older than 15 years will not be given fuel. This order was given because its order to phase out such vehicles was not being implemented. The decision of not giving petrol-diesel to such vehicles led to chaos at many petrol pumps in Delhi. Within a day or two, it became a political issue and voices were also raised that the decision to suddenly not give fuel to vehicles that have completed their age is not right. The Delhi government itself had to come forward and ask CAQM to withdraw its decision. The anti-pollution body CAQM has the authority to manage the air quality in the entire national capital region. It is not known on what basis this body reached the conclusion that the engines of 10-year-old diesel and 15-year-old petrol vehicles become such that their emissions increase so much that it becomes a major cause of air pollution. Before reaching this conclusion, studies and consultations with experts must have been done, but perhaps it was overlooked that many vehicle owners use their vehicles less. Most do not even use them for commercial purposes. Due to this, the engines of their vehicles do not deteriorate so much that they can be held guilty of spreading pollution. Some people have such vehicles which have not even run 50 thousand km in 10 years. On the instructions of the Supreme Court, the central government has been making changes in its vehicle policy, but it has not been successful in dealing with air pollution. Air pollution remains a serious problem in North India and especially in the capital Delhi and its surrounding areas. As the population is increasing, the number of vehicles in cities is also increasing and so is the pollution caused by their emissions. The geographical condition of North India is such that as soon as winters start, the mixture of dust and smoke in the air creates smog. Due to this, air pollution increases manifold. Now, except for some areas near the Himalayas and a few areas in far south India, clean air remains bad in the entire country. In winters, the air becomes even worse and sometimes even fatal. The main causes of air pollution are dust flying from roads and construction sites, emissions from vehicles and factories. Apart from this, smoke coming out of burning coal, wood, cow dung cakes etc. also causes air pollution. At the beginning of winters, the practice of burning crop residues i.e. stubble in the fields in Punjab, Haryana, Western Uttar Pradesh, Rajasthan etc. also works to increase air pollution. Traffic jams are seen in all the major cities of North India including Delhi. When vehicles move at a slow speed, the emissions of vehicles increase manifold. There is a lack of roads and other infrastructure that should be there to avoid traffic jams. This lack is gradually becoming visible all over the country. Our cities are known for traffic jams, dust and smoke. Where there are footpaths on the sides of the roads, they are used by everyone except pedestrians. Somewhere there is parking and somewhere there are small shops. Since pedestrians cannot walk on the encroached footpaths, they are forced to walk on the roads. This further slows down the movement of vehicles on the roads. The result of this is jams and vehicle emissions. Everyone is aware of this situation, but there is a refusal to show political will. The methods that are in vogue for measuring the emissions from vehicles due to faulty engines, and under which drivers get certificates from petrol pumps, have failed. Firstly, people do not bother to get such certificates and secondly, no matter what the engine of the vehicle is, one can get the desired certificate by paying money. What should happen is that all the service centers, workshops or roadside mechanics of vehicles should have such equipment that they can also check the emissions of vehicles properly. It should be a rule that all these companies should control the emissions of any vehicle that comes to them. They should also have the right to remove all kinds of defects in the vehicle and give a certificate of its being in good condition. This right should be monitored jointly by the vehicle manufacturing companies and the government. They can do this work easily. Vehicle manufacturing companies have CSR fund along with profits. After all, why does the government take in its hands the work that should be done by the vehicle manufacturing companies? The question is also that why does it take decisions that harass the public? If the vehicle manufacturing companies and their service centers, workshops etc. can be made responsible for the fitness of vehicles, then petrol pumps would not have to give orders like refusing to give fuel to junk or allegedly obsolete or high emission vehicles. Vehicle manufacturing companies should open service centers according to the sale of their vehicles and their During servicing, special attention should be paid to their emission levels. It is also necessary for vehicle manufacturers to use better technology to manufacture engines that have minimal emissions and to properly service old vehicles. When our policy makers and bureaucrats take decisions that trouble vehicle owners in the name of fighting air pollution, they become political issues and often have to be withdrawn.

Linguistic fundamentalists, Thackeray brothers' opposition to Hindi in the name of Marathi identity

It is not surprising that Raj Thackeray and Uddhav Thackeray met in the name of Marathi language. This keeps happening in politics. Opposition to imposition of Hindi and citing Marathi identity is linguistic politics. The aim of the Thackeray brothers is to gain power in Mumbai Municipal Corporation and Maharashtra. The politics of opposition to Hindi is similar to that of Tamil Nadu and Karnataka. It is not surprising that Raj Thackeray and Uddhav Thackeray joined hands and shared the stage in the name of the interest of Marathi language. All this keeps happening in politics. It will not be surprising if these two leaders, who came together after 20 years, separate later. Whatever it is, taking the false excuse of imposing Hindi and citing Marathi identity is nothing but cheap linguistic politics. The Thackeray brothers also proved this by saying that both of us will gain power in Mumbai Municipal Corporation and Maharashtra. In fact, this is the main objective and due to this, similar anti-Hindi politics is being done in the society and the country, as is seen in Tamil Nadu and Karnataka. If the Thackeray brothers and their supporters think that by raising the bogey of Hindi, they will be able to incite the sentiments of the people of Maharashtra and gain political advantage, then this is not possible. Generally, people are sensible and understand such cheap politics very well. It is also a reality that at least in politics, one and one do not equal eleven. Many examples of this have been seen in the past. It is surprising that the politics of opposition to Hindi is being done in Maharashtra, where it is difficult to count the number of pro-Hindi leaders, writers, music giants. Mumbai is the home of the Hindi film industry. Hindi cinema has given work, money and fame to lakhs of Marathi-speaking people of Maharashtra. They also accept this. Will the Thackeray brothers now demand to remove the Hindi film industry from Mumbai? Whatever the linguistic fanatics of Tamil Nadu, Karnataka and Maharashtra may say, Hindi is accepted and respected as the connecting language of the country. It is also a truth that if there can be any connecting language of this country, it is Hindi. English cannot do this work. It should not do so, because Indian culture can be nurtured only by Indian languages ??and this nurture is also necessary. BJP cannot take a strong stand against the dirty politics of anti-Hindi for political reasons, but at least the central government should stand against the propaganda that Hindi is being imposed. This is a blatant lie. Hindi is growing due to its acceptability. At least 90 percent of the people of the country understand Hindi. Those who deny this truth are leaders like Stalin, Raj Thackeray and Uddhav Thackeray or their supporters. A bitter truth of the dirty politics of anti-Hindi is that it is increasing the dominance of English overall.All this keeps happening in politics. It will not be surprising if these two leaders, who came together after 20 years, separate later. Whatever it is, taking the false excuse of imposing Hindi and citing Marathi identity is nothing but cheap linguistic politics. The Thackeray brothers also proved this by saying that both of us will gain power in Mumbai Municipal Corporation and Maharashtra. In fact, this is the main objective and due to this, similar anti-Hindi politics is being done in the society and the country, as is seen in Tamil Nadu and Karnataka. If the Thackeray brothers and their supporters think that by raising the bogey of Hindi, they will be able to incite the sentiments of the people of Maharashtra and gain political advantage, then this is not possible. Generally, people are sensible and understand such cheap politics very well. It is also a reality that at least in politics, one and one do not equal eleven. Many examples of this have been seen in the past. It is surprising that the politics of opposition to Hindi is being done in Maharashtra, where it is difficult to count the number of pro-Hindi leaders, writers, music giants. Mumbai is the home of the Hindi film industry. Hindi cinema has given work, money and fame to lakhs of Marathi-speaking people of Maharashtra. They also accept this. Will the Thackeray brothers now demand to remove the Hindi film industry from Mumbai? Whatever the linguistic fanatics of Tamil Nadu, Karnataka and Maharashtra may say, Hindi is accepted and respected as the connecting language of the country. It is also a truth that if there can be any connecting language of this country, it is Hindi. English cannot do this work. It should not do so, because Indian culture can be nurtured only by Indian languages ??and this nurture is also necessary. BJP cannot take a strong stand against the dirty politics of anti-Hindi for political reasons, but at least the central government should stand against the propaganda that Hindi is being imposed. This is a blatant lie. Hindi is growing due to its acceptability. At least 90 percent of the people of the country understand Hindi. Those who deny this truth are leaders like Stalin, Raj Thackeray and Uddhav Thackeray or their supporters. A bitter truth of the dirty politics of anti-Hindi is that it is increasing the dominance of English overall.

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यों न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एसपी सिटी मानुष पारीक ने मंगलवार की परेड का किया निरीक्षण लाइन परिसर व शाखाओं का भी किया भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली – मंगलवार को एसपी सिटी मानुष पारीक ने रिजर्व पुलिस लाइन ग्राउण्ड में आयोजित मंगलवार परेड की सलामी लेने के पश्चात परेड का निरीक्षण किया । इस मौके पर परेड में शामिल पुलिसकर्मियों की फिटनेस, वर्दी, और टर्नआउट की जांच की तथा ड्रिल का अभ्यास करवाया गया। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए कि वे अपनी वर्दी और टर्नआउट को उच्च स्तर पर बनाए रखें ताकि पुलिस बल की छवि और अनुशासन का मान बड़े। परेड के पश्चात एसपी सिटी द्वारा पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण किया , इस दौरान पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं इकाईयों शास्त्रागार, क्वार्टर गार्द, जेटीसी मैस, बैरक, बन्दी वाहन, डॉग स्कवॉड, पीआरवी वाहन आदि का भी निरीक्षण किया , निरीक्षण के दौरान पुलिस लाइन परिसर जेटीसी मैस में साफ-सफाई, शस्त्रों के रखरखाव, गार्द रजिस्ट्रों की स्थिति, और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यकुशलता और बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा सके ।।

कैफे की आड़ में अवैध धंधा- दो सगे भाई कर रहे थे काम, असम की महिला ने किया चौंकाने वाला खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली। संजयनगर में कैफे की आड़ में दो सगे भाई लंबे समय से अफीम और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे थे। इसमें उनकी बहन भी शामिल थी। सोमवार को बरेली एएनटीएफ ने आरोपियों की बहन और असम निवासी महिला प्रियंका दास को गिरफ्तार किया तो इसका खुलासा हुआ। पृष्ठताछ में प्रियंका दास ने बताया कि चार दिन पहले वह अपनी साथी लक्ष्मीदास के साथ अफीम और हेरोइन लेकर बरेली आई थी। उसने अफीम कैफे संचालक जगजीत, उसके भाई गुरप्रीत उर्फ गोपी और इनकी बहन सिमरन निवासी मेगा सिटी संजयनगर को दे दी। रुपये देने पर हेरोइन की डिलीवरी भी तीनों भाई-बहनों को देनी थी। प्रियंका के पास से 211 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल और 71120 रुपये बरामद हुए। प्रियंका को लेकर टीम जगजीत के मेगा सिटी स्थित घर पहुंची। वहां जगजीत की बहन सिमरन मिली तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके दोनों भाई फरार हो गए। जगजीत और गुरप्रीत संजय नगर रोड पर आफ्टर डार्क नाम से एक कैफे चलाते हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों भाई कैफे की आड़ में मादक पदार्थों की तस्करी करते थे। इसकी जानकारी बहन सिमरन को भी थी। सिमरन की दोस्ती जगजीत की जमानत कराने के दौरान गुवाहाटी में प्रियंका दास से हो गई थी। तब से प्रियंका नगालैंड और असम से मादक पदार्थ लाकर भाई-बहनों को सप्लाई करती थी। जिले और आसपास के शहरों व राज्यों में सप्लाई किया जा रहा है। कुछ दिन पहले इज्जतनगर पुलिस और एसओजी ने तस्करी के आरोप में फतेहगंज पश्चिमी और सीबीगंज के छह लोगों को गिरफ्तार किया था। इससे पहले बारादरी थाना पुलिस ने फरीदपुर और भमोरा के तस्करोँ को पकड़ा था। इन लोगों ने ट्रेन के जरिये झारखंड निवासी राहुल से अफीम मंगाई थी। सूत्रों के अनुसार झारखंड बार्डर पार कर सोनभद्र के रास्ते भी ट्रकों के जरिये डोडा मंगाया जा रहा है।

1.31 करोड़ रुपये के घोटाले में जिला सहकारी बैंक के दो शाखा प्रबंधक समेत चार निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली। जिला सहकारी बैंक की फरीदपुर शाखा में 1.31 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया है। इसमें शाखा प्रबंधक गौरव वर्मा व तत्कालीन शाखा प्रबंधक मुकेश कुमार गंगवार, कैशियर चंद्र प्रकाश व दीपक पांडेय को निलंबित कर दिया गया है। जिला सहकारी बैंक के उप महाप्रबंधक सर्वेद्र सिंह चौहान ने चारों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। शाहजहांपुर के किसान की सम्मान निधि टुटिक्वश बैंक शाखा में आ गई थी। इसी मामले की जांच के दौरान यह घोटाला सामने आया है। उप महाप्रबंधक ने बताया कि शाहजहांपुर के किसान की शिकायत पर उन्होंने 15 मई को फरीदपुर शाखा का निरीक्षण किया था। वहां उन्हें 21 विवादित खाते मिले। इससे बड़ी धनराशि के गबन का संदेह हुआ था। फिर उन्होंने 23 मई को प्रकरण की विस्तृत जांच का आदेश दिया था। जांच में 1,31,06,069 रुपये गबन की पुष्टि होने पर चारों को निलंबित कर उनके विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है। फरीदपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि जिला सहकारी बैंक के उप महाप्रबंधक की ओर से तहरीर मिली है। उच्चाधिकारियों की अनुमति के बाद रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अमरनाथ यात्रा पर जत्था हुआ रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा से शिव भक्तों का पहला जत्था बाबा बर्फानी के दर्शनों को अमरनाथ यात्रा पर 60 सदस्यीय जत्था मंगलवार को प्राचीन शिव मंदिर से महंत तुलसीदास, परिजनों से आशीर्वाद लेकर बैंड -बाजों की धुनों पर थिरकते हुए भोलेनाथ के जयकारों से गुंजायमान होता हुआ नगर से रवाना हुआ। नगर के लोगों ने सभी को फूल –मालाएं पहनाकर उनका स्वागत –सम्मान किया। यात्रा पर पूर्व चेयरमैन राकेश कुमार उर्फ आर के कश्यप, संतोष कश्यप, मोहित गुप्ता,राज कश्यप, अरूण कुमार, वीरपाल कश्यप, पप्पू कश्यप, कमलेश गंगवार,अमन गुप्ता, मोहित गंगवार, उमाकांत , विकास गुप्ता,देव यादव, राकेश कुमार शर्मा,रविशंकर,दुर्गाचरन,गुलाबराय,पोशाकी लाल, तेज प्रकाश, ब्रजनंदन पटेल आशुतोष, राकेश कुमार शर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

शिवालयों पर तैनात रहेगी महिला पुलिस, कांवड़ मार्गों पर भी होगी निगरानी, एसएसपी ने दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली। सावन माह में धार्मिक गतिविधियां बढ़ जाती हैं। नाथनगरी के नाम से चर्चित बरेली में भगवान शिव के कई प्रमुख मंदिर हैं। सावन के लिहाज से पुलिस ने भी यहां सुरक्षा तैयारियों को परखा और मजबूत किया पर श्रद्धालुओं व कांवड़ियों अनुराग आर्य ने इस लिहाज तैयारियां परखीं। साथ ही रखने के निर्देश दिए। संबंधी अपराध रोकने के की भी नियमित ड्यूटी रूट व जुल्स पर भी एसएसपी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सावन के दौरान सतर्कता एवं सजगता बनाए रखें। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए इंतजाम पुख्ता कर लिए जाएं। ऑनलाइन मीट में जिले के सभी एसपी, सीओ, सीओ एलआईयू, सभी थाना प्रभारी और प्रभारी यूपी 112 शामिल रहे। इन बिंदुओं पर एसएसपी ने दिए निर्देश श्रावण मास की तैयारियां व संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा प्रबंधन एवं ट्रैफिक नियंत्रण। कांवड़ यात्रा एवं जुलूसों के लिए रूट मैपिंग एवं भीड़ नियंत्रण की स्थिति। संवेदनशील क्षेत्रों में कलस्टर मोबाइल टीम की संख्या एवं तैनाती योजना। कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस ड्यूटी प्लान व क्षेत्रीय गश्त की योजना। अन्य सुरक्षा एवं प्रशासनिक बिंदुओं पर विचार विमर्श।

नूरपुर मे नूर दर्द निवारण केंद्र फिजियोथैरेपी का हुआ उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच

डॉक्टर मोइनुद्दीन अंसारी डॉक्टर शाहनवाज अंसारी फतिहाबाद रोड नूरपुर मे नूर दर्द निवारण केंद्र फिजियोथैरेपी का अवनी सिंह सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग व अकबर नबी इदरीसी राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी आंदोलन पार्टी ने संयुक्त फीता काट कर शुभारंभ किया इस शुभ अवसर पर मौजूद रहे हाजी शरीफ अहमद अंसारी, विकास भैय्या निजी प्रतिनिधि अवनी सिंह ,हाजी नजरुद्दीन अंसारी, डॉक्टर शाहनवाज अंसारी, सादिक अहमद सैफी पूर्व सभासद,

कपिल संजय, मास्टर चेतराम सिंह, रियाज हनफी शायर साहब, मानसिंह, अब्दुल लतीफ, इसहाक, नईम अहमद प्रधान जी, सलीम, निजामुद्दीन, डॉक्टर आलम अल्वी, कारी अकरम अंसारी, सद्दाम सैफी , मो ओवैस अंसारी , डॉक्टर निजामुद्दीन, डॉ मोइनुद्दीन अंसारी ने बताया की सभी प्रकार के दर्द से राहत देने वाली मशीने व रीड की हड्डी और नसों को आराम देने वाली मशीन यहां मौजूद हैं

चालक को गोली मारने की बात हुई झूठी ,डाक्टरी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज)प्रतापगढ़ के थाना जेठवारा के कटरा गुलाब सिंह निवासी शिव राम मौर्या 40वर्ष पुत्र राम चन्द्र मौर्या को मऊआइमा के ग्राम सराय बादशाह कुली शारदा सहायक नहर के पास सोमवार को रात्रि में लगभग नौ बजे उस समय दो बाइक सवारों द्वारा कथित रूप से गोली मारने की बात कही गई थी। जब कि वह विक्रम लेकर पलट गया था बताते हैं कि शिवराम की विक्रम पलट कर सड़क के गड्ढे में चली गई थी जिससे किसी नोकौले चीज से वह घायल हो गया था। इस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी ने बताया कि गोली मारने की बात झूठी है। विक्रम पलटने से किसी नोकौले चीज से कंटपी में घाव हो गया था। फिलहाल वह खतरे से बाहर है।

नोडल अधिकारी ने वृक्षारोपण की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश।

क्यूँ न लिखूँ सच

शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी/ प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन श्री अमित कुमार घोष ने जनपद में वृक्षारोपण की तैयारियों को लेकर सर्किट हाउस के सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष विभागवार तैयारी का जायजा लिया। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से स्थल एवं पौध की उपलब्धता के बारे में पूछा साथ ही पीएमएस पोर्टल पर वन विभाग द्वारा दर्ज किए गए स्थलों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वन विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे विशिष्ट वनों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी के साथ वृक्षारोपण के लिए निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करें। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण मौजूद रहे। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने बताया कि युवा रचनाकारों (18 से 30 वर्ष) को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा कहानी/कविता/निबन्ध प्रतियोगिता हेतु प्रविष्टियां आमंत्रित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कहानी/कविता/निबन्ध तीन प्रतियों में कम्प्यूटर टाइप ए4 आकार में भेजनी होगी, कहानी अधिकतम 2500 शब्द व कविता अधिकतम 500 शब्द (एक ओर टंकित) हो। निबन्ध 'भारतीय संस्कृति और कुम्भ' विषय पर केन्द्रित हो

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

खंड शिक्षा अधिकारी ने संचारी रोग जागरूकता अभियान रैली को दिखाई हरी झंडी

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवीनगर में मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी पूरन सिंह ने संचारी रोग एवं स्कूल चलो अभियान रैली ,को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री सिंह ने बताया सरकार की मंशा है,सभी सुरक्षित और निरोगी रहें। जिसको लेकर गांव के नागरिकों को जागरूक करने के लिए रैली का आयोजन किया गया है। ताकि जन-जन तक संचारी रोगों एवं सभी बच्चों का स्कूल में शत-प्रतिशत नामांकन हो सके, ग्रामीणों को जागरूकता का संदेश दिया गया। इसके अलावा विकास खंड बिथरी चैनपुर के प्राथमिक विद्यालय कलारी में भी रैली निकाली गई।इस मौके पर प्रधानाध्यापिका, डॉ शिखा अग्रवाल,रैनु गुप्ता,ग्राम प्रधानपति सलीम शाह, मनोहर लाल सागर, ऋचा सक्सेना,आभा सक्सेना, इफ्फत महमूद,सरला, बलबीर सिंह , ऋतु सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

डीएम बुधवार को करेंगे नाहल नदी को पुर्नजीवित करने कार्य का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली। मीरगंज में डीएम बुधवार को नाहल नदी को पुर्नजीवित करने का कार्य का कार्यक्रम में जन शिा शामिल होंगे। कार्यक्रम का में लीलौर झील तहसील में बहने की पुराने स्वरूप में लौटाने का कार्य होगा। डीएम जन प्रतिनिधियों के साथ बुधवार को लभारी गांव में नदी किनारे पूजन कर नदी को पुर्नजीवित करने के कार्य का शुभारंभ करेंगे। तहसील प्रशासन ने इसको तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को एसडीएम तृप्ति गुप्ता, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने लभारी पहुंच कर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। राजस्व टीम ने नदी की सीमांकन किया। तहसीलदार ने बताया बुधवार को नदी किनारे पूजन कर डीएम नदी के पुर्नजीवित करने के कार्य का शुभारंभ करेंगे।

सावन मास में शुक्रवार से सोमवार तक रहेगा रूट डायवर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली। सावन मास में बरेली नाथ नगरी के नाथ मंदिरों में कई जिलों से जलाभिषेक करने श्रद्धालु पहुंचते हैं। सावन में 70 से 80 प्रतिशत कांवड़िये कछला गंगा घाट से गंगाजल लेकर बदर्यू, भमोरा, देवचरा, रामगंगा, करगैना, चौपुला पुल, लाल फाटक पुल और कैट होते हुए विभिन्न शिव मंदिरों में आते हैं। जबकि, 20–25 प्रतिशत कांवड़िये गढ़मुक्तेश्वर गंगा घाट से रामपुर-मीरगंज, फतेहगंज पश्चिमी, सीबीगंज से किला होकर नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में पहुंचेंगे। इसे देखते हुए सावन मास में प्रत्येक शुक्रवार की शाम 8 बजे से सोमवार रात 10 बजे तक रूट डायवर्जन किया गया है, जो पूरे सावन माह में प्रभावी रहेगा। भारी वाहनों के लिए जारी किए गए रूट डायवर्जन के अनुसार बीसलपुर चौराहा-बरेली से बीसलपुर की ओर चलने वाले समस्त सवारी वाहन रहेलखंड चौकी तक ही आ व जा सकेंगे। कोई भी भारी वाहन शहर क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा। ये वाहन बड़ा बाईपास होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

रिठौरा में बूथ अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर पंचायत रिठौरा में भारतीय जनता पार्टी के बूथ संख्या, 379, अध्यक्ष एवं शक्ति केंद्र संयोजक राजीव साहू ने अपने दायित्वों से मंडल अध्यक्ष को इस्तीफा सौंप दिया। श्री साहू ने बताया उन्होंने अपने निजी कार्यों की व्यवस्ता के चलते पद छोड़ा है। लेकिन उनकी आत्मा एवं उनका जीवन पार्टी के लिए पूर्ण रूप से समर्पण है,आगे भी रहेगा।

क्यों न लिखूँ सच – राजकुमार शर्मा (कटोरा)

शिवपुरी, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशानुसार जिले में राशन माफियाओं के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत आज ग्राम वाचरौन, तहसील पिछोर में कार्रवाई की गई। एसडीएम शिवदयाल धाकड़, जिला आपूर्ति अधिकारी तुलेश्वर कुरें, तहसीलदार, सहायक आपूर्ति अधिकारी एवं मण्डी निरीक्षक की टीम द्वारा की गई जांच में गिरजेश लोधी नामक व्यापारी के लक्ष्मण लोधी के मकान में 130 क्विंटल चावल का अवैध भंडारण पाया गया। मौके पर व्यापारी द्वारा कोई वैध बिल या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, जिसके कारण समस्त चावल जप्त कर लिया गया। इस संबंध में थाना पिछोर में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ की गई है। प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि खाद्यान्न वितरण में अनियमितता बरतने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और आम जनता के हितों की सुरक्षा के लिए लगातार सतर्कता बरती जा रही है।



बस स्टैंड पर भीख मांगते मासूम: किताब की जगह कटोरा थामे बचपन, व्यवस्था पर उठे सवाल
व्यापार मंडल अध्यक्ष ईश्वर दयाल कंसल ने जताई कड़ी नाराजगी

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

(कांधला) शामली का मुख्य बस स्टैंड आजकल बदहाली, गरीबी और सामाजिक असंवेदनशीलता की जीती-जागती तस्वीर बन चुका है। हर दिन यहां दर्जनों मासूम बच्चे फटे पुराने कपड़ों में, झुकी आंखों और फैले हाथों के साथ मदद की आस लगाए यात्रियों की ओर दौड़ते नजर आते हैं। जिन हाथों में किताब और कॉपी होनी चाहिए, उनमें अब कटोरा और लाचारी है। हर बस के रुकते ही कुछ मासूम अपने छोटे-छोटे कदमों के साथ यात्रियों के आगे-पीछे घूमते हैं। कोई कुछ खाने को दे दो बैया... कहता है, तो कोई मां के बीमार होने का हवाला देकर भीख मांगता है। ये दृश्य केवल आंखों को नहीं, आत्मा को भी झकझोर देते हैं व्यापार मंडल अध्यक्ष ईश्वर दयाल कंसल ने जताई। कड़ी नाराजगीद्व्यापार मंडल कांधला के अध्यक्ष ईश्वर दयाल कंसल ने इस पूरे मसले पर सख्त नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहाकांधला का बस स्टैंड अब विकास का नहीं, विफलता का प्रतीक बन चुका है। ये दृश्य केवल प्रशासन की नाकामी नहीं, पूरे समाज के लिए आईना है। छोटे छोटे बच्चों को इस हाल में देखना बेहद पीड़ादायक है। प्रशासनिक उदासीनता या सामाजिक विफलता?कई बार स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने इन बच्चों की स्थिति को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन आज तक न कोई सर्वे हुआ, न कोई रेस्क्यू। न शिक्षा विभाग ने संज्ञान लिया, न बाल कल्याण समिति ने इन मासूमों को स्कूल पहुंचाने का प्रयास किया।भीख के बहाने मासूमों का शोषण। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कुछ बच्चों को सुनियोजित तरीके से भीख मांगने के लिए भेजा जाता है। उनके पीछे कुछ गिरोह भी सक्रिय हो सकते हैं जो इनकी मासूमियत का फायदा उठा रहे हैं। ये केवल गरीबी नहीं, संगठित शोषण का संकेत है। समाजसेवियों की अपील उठिए अब भी समय है! कई सामाजिक संगठनों और शिक्षाविदों ने मांग की है कि बस स्टैंड व आस-पास क्षेत्रों में एक विशेष अभियान चलाकर इन बच्चों की पहचान कर उन्हें स्कूल व आश्रय केंद्रों तक पहुंचाया जाए।समाचार का सवालदु*क्या कांधला के इन मासूमों को भी पढ़ने का अधिकार नहीं? क्या इनकी किस्मत में सिर्फ सड़क, धूल और बेबसी ही लिखी है?

देश में हर चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन की मांग, सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका

इससे पहले सोमवार को शीर्ष अदालत ने बिहार में चुनावी सूची में विशेष गहन संशोधन करने के भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमत जताई थी। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर देश में खास तौर पर संसदीय, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मतदाता सूची में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की मांग की गई है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मंगलवासर को याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय से कहा कि मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से पहले प्रक्रियागत खामियों को दूर करें। इस पर याचिकाकर्ता ने याचिका पर 10 जुलाई को सुनवाई करने की मांग की, जब अन्य याचिकाओं पर सुनवाई होगी। याचिका में भारत के चुनाव आयोग को एसआईआर करने का निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारतीय नागरिक ही राजनीति और नीति तय करें, न कि अवैध विदेशी घुसपैठिए। 200 जिलों और 1,500 तहसीलों की जनसांख्यिकी बदल गई। याचिका में कहा गया कि आजादी के बाद बड़े पैमाने पर अवैध घुसपैठ, धोखेबाजी से धर्म परिवर्तन और जनसंख्या विस्फोट की वजह से 200 जिलों और 1,500 तहसीलों की जनसांख्यिकी बदल गई। जनसांख्यिकी ही नियति है और दर्जनों जिलों में पहले से ही ऐसे लोगों की ओर से अपनी नियति तय होते देखी गई है, जो भारतीय नहीं हैं। चुनावों के माध्यम से एक राष्ट्र अपनी राजनीति और नीति को आकार देता है और इसलिए यह केंद्र, राज्य और ईसीआई का संवैधानिक कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि संसदीय, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों में केवल वास्तविक नागरिक ही अपना वोट डालें, न कि विदेशी घुसपैठिए। समय-समय पर मतदाता सूचियों की विशेष गहन जांच आवश्यक याचिका में कहा गया कि इसके लिए समय-समय पर मतदाता सूचियों की विशेष गहन जांच आवश्यक है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए संवैधानिक जनादेश की वजह से मतदाता सूचियों की एसआईआर आवश्यक थी। बिहार में 243 विधानसभा क्षेत्र हैं। हर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूचियों में अनुमानित 8,000-10,000 अवैध, डुप्लिकेट और फर्जी प्रविष्टियां हैं। 2,000-3,000 वोटों की मामूली गड़बड़ी भी चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती है। बिहार में एसआईआर को लेकर मचा है बवाल दरअसल, कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, जेएमएम, सीपीआई और सीपीआई (एमएल) के विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से बिहार में चुनाव से पहले एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। राजद सांसद मनोज झा और तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की अलग-अलग याचिकाओं के अलावा कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, शरद पवार एनसीपी गुट की सुप्रिया सुले, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के डी राजा, समाजवादी पार्टी के हरिंदर सिंह मलिक, शिवसेना (उद्धव गुट) के अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरफराज अहमद और सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य ने संयुक्त रूप से शीर्ष अदालत का रुख किया है।



दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बीएलओ को निर्वाचन संबंधी समस्त प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र के 294 मतदान केंद्रों के बीएलओ को दो समूहों में विभाजित कर प्रतिदिन लगभग 50-50

प्रशिक्षार्थियों को प्रधानमन्त्री एक्सिलेंस श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कक्षाओं में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुपम शर्मा एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सिद्धार्थ भूषण शर्मा के निर्देशन में मास्टर ट्रेनर गजेन्द्र सक्सेना, राकेश शाक्य, राजीव दुबे, राघवेंद्र गर्ग, चैतन्य राजपूत, धम्मदीप बौद्ध, एईजीएम राजवीर सिंह यादव, डाटा एंट्री ऑपरेटर हरिंद्र प्रजापति, निर्वाचन शाखा प्रभारी संजय दुबे एवं ऋषभचंद जैन की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण में बीएलओ को भारत निर्वाचन आयोगों के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (Twitter), YouTube, Instagram, Facebook, अकाउंट्स को Follow करवाया गया। आयोग द्वारा प्रदत्त पीपीटी एवं प्रोजेक्टर प्रस्तुति के माध्यम से हाउस-टू-हाउस सर्वे, फॉर्म नंबर 6, 7 और 8 भरने की प्रक्रिया एवं ब्रह्म ऐप के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण उपरांत ऑनलाइन क्विज के माध्यम से 30 प्रश्नों का मूल्यांकन किया गया और उपस्थिति भी दर्ज की गई। यह प्रशिक्षण 17 जुलाई 2025 तक चरणबद्ध रूप से जारी रहेगा, जिससे बीएलओ निर्वाचक नामावली को अद्यतन करने हेतु सक्षम और दक्ष हो सकें।

गुरुपूर्णिमा को लेकर देवगांव में चल रही श्रीमद भागवत कथा, विशाल भंडारा दस जुलाई दिन गुरुवार को देवगांव में होगा

क्यों न लिखूँ सच

कोंच (जालौन) कोंच तहसील के सपीस्थ ग्राम देवगांव में हर साल की तरह इस साल भी गुरु पूर्णिमा को लेकर श्री श्री 1008 ब्रह्म जीन श्री परमहंस बद्री दास जी महाराज के 122 वें जन्म दिवस महोत्सव एवं गुरु पूर्णिमा पर्व पर मंदिर पर श्री मद भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। कथा व्यास पं खिलावन कृष्ण शास्त्री मुन्दावन धाम द्वारा कथा की जा रही है। बद्री विशाल आश्रम सेवा ट्रस्ट देवगांव के प्रबंधक पं मनमोहन तिवारी पप्पू महाराज ने बताया है कि नो जुलाई को श्री मद भागवत कथा का समापन होगा दस जुलाई दिन गुरुवार को प्रातः काल साढ़े तीन बजे से साढ़े पांच बजे तक श्री गुरुदेव के स्नान हाँगे गुरु जी की आरती सुबह छह बजे शुरू होगी इसके उपरांत उसी दिन हवन पूजन प्रातः साढ़े सात बजे से प्रारंभ होगा और साढ़े ग्यारह बजे तक चलेगा इसके बाद विशाल भंडारा दोपहर पौने बारह बजे से प्रारम्भ होगा और सायंकाल छह बजे तक चलेगा पप्पू महाराज ने बताया है कि जो भक्त स्नान कराना चाहते हैं और आरती में शामिल होना चाहते हैं तो वह समय से पहुंचें और पुण्य के भागीदार बने इस गुरुपूर्णिमा को लेकर मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन चल रहे हैं इस कार्य में संजय लोहिया राजकुमार तिवारी अरविंद्र यादव बाबा श्री हरगोविंद पटेल खुराना भगवत शरण निरंजन आत्म प्रकाश भदोरिया बलराम सोनी सहित तमांग गांव वासी बड़े श्रद्धा भाव से जुटे हुये हैं



अलर्ट पर देश की नदियां: असम, एमपी और महाराष्ट्र में भयंकर बाढ़ की स्थिति, 11 जगहों पर चेतावनी स्तर पार

असम, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की चार नदियों में बाढ़ की गंभीर स्थिति स्थित बन गई है, जबकि 17 अन्य स्थानों पर नदियां चेतावनी स्तर पार कर चुकी हैं। सीडबल्यूसी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। नर्मदा, ढनसिरी, वैनगंगा और ब्रह्मपुत्र समेत कई नदियों में जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है। डैमों और बैराजों पर भी जल प्रवाह बढ़ा है, लेकिन चेतावनी स्तर पार नहीं कर पाया है। देश में मानसून और इसके साथ ही कई राज्यों में खतरे का स्तर तक पहुंच चुका है। (सीडबल्यूसी) की ताजा बुलेटिन के अनुसार मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की चार नदियों में बाढ़ की स्थिति है, जबकि देश के अन्य 11 स्थानों पर नदियां चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही हैं। सीडबल्यूसी के मुताबिक, असम के गोलाघाट जिले में ढनसिरी (दक्षिण) नदी और मुमालीगढ़ क्षेत्र में पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। हालांकि इन नदियों के जल स्तर में अब गिरावट देखी जा रही है, फिर भी प्रशासन अलर्ट मोड पर है। नर्मदा और वैनगंगा भी खतरे के स्तर पर मध्य प्रदेश के मंडला में नर्मदा नदी का जलस्तर 437.67 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान से ऊपर है। राहत की बात यह है कि इसका जलस्तर अब घट रहा है। उधर, महाराष्ट्र के मंडला जिले में वैनगंगा नदी भी 245.8 मीटर तक पहुंच चुकी है और लगातार बढ़ रही है, जिससे स्थानीय प्रशासन सतर्क हो गया है। अन्य 11 जगहों पर चेतावनी स्तर पार बाढ़ की यह स्थिति सिर्फ इन राज्यों तक सीमित नहीं है। असम, बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के 11 अन्य स्थानों पर भी नदियां चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही हैं। इनमें असम में ब्रह्मपुत्र (नेमाटीघाट और तेजपुर), डिब्रूगढ़ नदी (शिवसागर) और कुशियारा (करीमगंज) शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में घाघरा नदी (एलिंगनब्रिज) और गंडक (डुमरिया घाट), और ओडिशा में बैतरणी और जलका नदियों में जलस्तर बढ़ा हुआ है। हालांकि इन नदियों में कुछ जगहों पर पानी स्थिर हो गया है या घट रहा है, जिससे बाढ़ का खतरा कम हो रहा है। बिहार में दिख रही है 135 डैमों और बैराजों पर जलभराव चेतावनी केन्द्रीय जल आयोग ने बताया कि देश भर में 35 ऐसे डैम और बैराज हैं, जहां पानी का बहाव खतरे के स्तर को पार कर चुका है। इसमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के प्रमुख जलाशय शामिल हैं जैसे श्रीशैलम, मैथन, आलमट्टी, इंदिरा सागर और दुर्गापुर बैराज। इन क्षेत्रों में जल प्रबंधन की निगरानी बढ़ा दी गई है। राहत की बात यह है कि अब तक देश में कहीं भी कोई नदी अपने ऐतिहासिक जल स्तर को पार नहीं कर पाई है, यानी चरम बाढ़ की स्थिति नहीं बनी है। बावजूद इसके, स्थानीय प्रशासन को तैयार रहने की सलाह दी गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटारा जा सके।

क्यों न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल
श्रावस्ती। तहसील जमुनहा परिसर में मंगलवार को उत्तर प्रदेश
श्रमजीवी पत्रकार
यूनियन जनपद
श्रावस्ती के
पदाधिकारियों व
सदस्यों द्वारा एक
पेड़ माँ के नाम
अभियान के अंतर्गत
वृक्षारोपण कार्यक्रम
आयोजित किया

या। इस अभियान का नेतृत्व यूनियन के तहसील अध्यक्ष बाबूराम पाठक ने किया। कार्यक्रम के दौरान जिला मंत्री प्रेमचंद जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ सिंह, तहसील संरक्षक सुधीर सिंह, तहसील प्रभारी प्रदीप त्रिपाठी, तहसील संगठन महामंत्री नितिश कुमार तिवारी, संयुक्त मंत्री संदीप त्रिपाठी, संगठन मंत्री संतोष गुप्ता, रिंकू जायसवाल, तहसील मीडिया प्रभारी राहुल जायसवाल, सहित पदाधिकारी मंजीत कुमार मिश्र, पवन कुमार, संयुक्त मंत्री अमित विश्वास, रुद्रसेन वर्मा, समेत अन्य पत्रकार और पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देने की जिम्मेदारी है। यूनियन पदाधिकारियों ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए, जिससे तहसील परिसर में हरियाली बढ़े और पर्यावरण संतुलन बना रहे।

लो वोल्टेज कारण नहीं चल रहे
नलकूप धान रोपाई प्रभावित

क्यों न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- विकास क्षेत्र जमुनहा के विद्युत उपकेंद्र उरलहवा बंजारन पुरवा से तिवारी गांव लाइन पर अधिक लोड होने के कारण बिजली विभाग लो वोल्टेज से निजात दिलाने के लिए विद्युत उपकेंद्र उरलहवा बंजारन पुरवा से नयी 11 हजार विद्युत लाइन बनाकर तैयार कर चालू भी कर दिया ताकि लो वोल्टेज से निजात मिल सके।

कांग्रेसी जनों ने बिजली का सप्लाई
को लेकर एसडीएम को ज्ञापन दिया

क्यों न लिखूँ सच
कोंच(जालौन) आज मंगलवार को कांग्रेस नेता जिला महासचिव
सभासद आजादुदीन की अगुवाई में नगर की बिजली व्यवस्था
को लेकर एक ज्ञापन एसडीएम ज्योति सिंह को दिया इस ज्ञापन
में अवगत कराया है कि विगत काफी समय से कोंच नगर की
विद्युत आपूर्ति समस्या बहुत ही बढ़हाल चल रही है भीषण और
उमस भरी गर्मी में नगर की जनता बेहाल है विद्युत अधिकारी
को अवगत कराने के बाबजूद भी व्यवस्था में कोई अपेक्षित
सुधार नहीं हुआ इससे जन मानस में अत्याधिक रोष व्याप्त है
पार्टी जनों ने आग्रह किया है कि नगर को निर्धारित अवधि में
अबाध विद्युत आपूर्ति कराने हेतु आदेश संबंधित अधिकारियों
को देने का कष्ट करे यदि बिजली की व्यवस्था का स्थाई
समाधान नहीं होता है तो कांग्रेस पार्टी एक बड़े आंदोलन के
लिये बाध्य होगी और अनुरोध है कि दाढ़ी नाका की ओर स्थित
शमशान स्थल की स्थिति दयनीय है उसकी बाउंड्री बाल गिर
गई है तथा मलंगा नाला की ओर रिटरिंग बाल का निर्माण
अंत्येष्टि स्थल को सुरक्षित रखने लिए अत्यंत आवश्यक है
व्यापक जनहित में पालिका को आदेशित करने का निर्देश दे इस
अवसर पर पूर्व नगर पालिका परिषद कोंच की अध्यक्ष डा.स
सिंहलिया आनंद महावाल जिला उपाध्यक्ष राम किशोर पुरोहित
ललिया जिला महासचिव सभासद आजादुदीन सेठ नासिर मंसूरी
जिला महासचिव श्री नारायण दीक्षित जिला सचिव राघवेंद्र
तिवारी नगर अध्यक्ष बार संघ के पूर्व अध्यक्ष नवल किशोर
जाटव एडवोकेट विजय कुमार द्विवेदी गुड्डू अवस्थी रामलला
त्रिपाठी कप्तान सिंह श्याम स्वरूप राजपूत पूर्व सभासद मो
जाहिद पुष्कर राज शर्मा उमेश कुमार पांडेय प्रवेश पांडेय सुधीर
कुमार कासिम मंसूरी ओम प्रकाश कौशिक एडवोकेट आनन्द
अग्रवाल सहित कई पार्टी जन मौजूद रहे

दैनिक अखबार क्यों न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslslive@gmail.com

6

Sweat, fatigue and heavy bleeding! Why do periods increase trouble in summer? Know the reason

Periods can become a challenge for women in summer. Heat and sweat increase the risk of infection, which causes problems like excessive bleeding, stomach cramps and fatigue. Due to hormonal changes, the body becomes dehydrated, which thickens the blood and increases the pain. It is difficult to bear red cramps. The problem increases further in the summer season. There can be many reasons behind this. Summer season can be challenging for all of us. It is advisable to take extra care of health in this season. Due to the increase in temperature in summer, there is a problem of excessive sweating, heat rashes, burning and itching. Everyone is troubled by this. On the other hand, this season can be even more challenging for women. Especially when periods come. In this season, due to heat, sweat, humidity, the risk of infection during periods also increases. Along with this, its symptoms also start intensifying. Problems like excessive bleeding, stomach cramps and spasms, as well as fatigue are seen. Usually women consider it normal and ignore it. But let us tell you that this happens due to hormonal changes in summer. Our article today is also on this topic. We will tell you why periods seem heavier in summer. What can be the reason behind this. Let us know in detail - How does our body react in summer? Let us tell you that our periods come due to hormones (like estrogen and progesterone). These hormones are affected by stress, sleep and water content. Due to the increase in temperature in summer, we sweat more. Due to this our body gets dehydrated quickly. Also, in summer, we are not able to sleep properly. Eating habits also get disturbed. All these affect our hormones and its direct effect is seen on periods. What is the effect of dehydration? Actually, blood becomes thick due to lack of water. Due to this, more clots start forming during periods and this can also increase pain. In such a situation, when the muscles of the uterus become dehydrated, the pain increases. Why do blood vessels increase in summer? Apart from this, the veins of the body start expanding in summer. This is so that the body can be kept cool by bleeding more. This extra blood also reaches the uterus, which increases bleeding. Women who already have more flow may have more problems in summer. How to prevent it? Drink plenty of water. Include fruits containing more water in the diet. Eat only light and cold food. Do some light exercise. Have a good sleep.

Make crunchy stuffed chilli pakoras with tea in the rainy season, even a mild hunger will be satiated

Often we make potato or onion pakoras in the rain, but have you ever tried stuffed chilli pakoras? Yes, the mild spiciness of the chilli, the crispy layer of gram flour and the spicy mixture stuffed inside make them very tasty. They are crispy know their easy recipe without delay. Who doesn't spicy and crunchy with tea, then the fun doubles. In which can satisfy your hunger. Imagine, it is raining is touching the body and you have a cup of hot ginger isn't it? To fulfil that need, you need something crispy, in this season, but this time try something different situation, here are crunchy stuffed chilli pakoras, also win your heart with their amazing taste. Let's

Thick green chillies (less spicy) - 8-10
Gram flour - 1 (crunchy)
Ginger-garlic paste - 1 teaspoon
Red chilli powder - 1/4 teaspoon
Coriander powder - 1 teaspoon
Asafoetida - a pinch
Celery - 1/4 teaspoon (chopped)
Oil - 2 tablespoons
Water - to potatoes - 2 medium sized
Paneer (grated) - 1/4 cup

make Stuffed Mirch Pakoras Wash the green chillies completely. Remove the seeds inside so that the paneer, finely chopped onion, ginger-garlic paste, turmeric, coriander, garam masala, dry mango powder, asafoetida, celery, salt and green coriander and mix well. Carefully fill the slit chillies with the prepared mixture. Do not fill too much, otherwise it may spill out while frying. In a large bowl, add gram flour, rice flour, red chilli powder, turmeric powder, some salt and little water and make a thick batter. Make sure that there are no lumps in the batter. The batter should be thick enough to stick well to the chillies. Heat oil in a pan. The oil should be hot on medium flame. Dip the stuffed chillies well in the gram flour batter, so that the whole chilli is covered with gram flour. Now carefully put it in hot oil. Fry only 3-4 pakoras at a time so that they do not stick to each other. Fry the pakoras by turning them until they become golden brown and crispy and then take them out and place them on tissue paper so that the excess oil drains out.

If you are keeping a Monday fast in Sawan, then try this fruit diet; there will be no shortage of energy

The month of Sawan is dedicated to Lord Shiva, which is starting from July 11. During this time, devotees keep fast and do special worship. It is important to take the right fruit diet in the fast so that the energy remains in the body. Health is maintained by the right diet in Sawan Monday fast. The month of Sawan dedicated to Mahadev, the God of Gods, is about to start. This month is considered special for getting the blessings of Mahadev. In Sawan, devotees do special worship to please Lord Shiva and to get his blessings. Along with this, they also wish for happiness and peace in life. Let us tell you that the month of Sawan is starting from July 11. On this day, both women and men keep fast and do worship to please Lord Shiva. But during the fast, it is not only important to stay hungry, but it is equally important to take a right and balanced fruit diet. This keeps the strength in our body. If we pay attention to the right diet, then health will also remain. Food and salt are not to be eaten during the fast of Sawan Monday. Most people consume fruits, milk, curd, sago, water chestnut flour, Rajgira flour, potatoes, sweet potatoes, makhana. Apart from this, people eat rock salt, this salt is eaten during the fast. If you want to remain active throughout the day during the fast, then choose such a fruit diet which is light as well as full of energy. Our article today is also on this topic. We are going to tell you about some such fruit diet which you can make a part of the diet during the fast of Sawan Monday. Let us know in detail - You can eat these things during the fast You can include curd and seasonal fruits in the fast of Sawan Monday. Curd will keep our stomach cool and eating fruits will give us energy, as well as our body will also remain hydrated. Sabudana Khichdi is the most commonly eaten thing during fasting. Being rich in carbohydrates, it keeps us energetic. It also tastes amazing. You can also make fruit chaat a part of the diet on fasting days. This will keep you energized. Along with this, your body will get the necessary nutrition. If you feel like eating something sweet, you can also make water chestnut flour pudding. It is rich in iron and minerals. Apart from this, you can also make makhana or sago kheer, potato pudding. Shakarkund chaat can also be a great option. It provides the necessary nutrition to the body. It is also helpful in keeping you energetic. Buckwheat flour puris are also liked a lot during fasting. You can serve it with potato or gourd vegetable. Raita also tastes good with it. It can also be easily digested. Keep these things in mind: Avoid eating too much fried food. Drink lots of water. Do not overeat. Also take healthy drinks.





Kajol was caught between the fight between Ajay Devgn and Aditya Chopra, said- 'I was feeling helpless'

Kajol has shown her acting in many films under the banner of Yash Raj Films. In such a situation, when her husband Ajay Devgn had a dispute with Yash Raj Films, she was stuck. Recently the actress has talked about a decade old dispute. Dispute between Ajay Devgn and Aditya Chopra Kajol did many films with Aditya Chopra Kajol broke silence for the first time on Ajay's fight Kajol has been showing her acting in the film world for the last three decades. She has done the most hit films in her career with Yash Raj Films. In such a situation, she has a close bond with YRF. Recently, she has reacted to the dispute of YRF with Ajay Devgn. When Kajol's husband Ajay Devgn clashed with Yash Raj Films, it affected Kajol the most. She could not understand what to do, because she has a special relationship with both. She said that she was feeling helpless. Kajol spoke on Ajay Devgn's fight In an interview given to a YouTube channel, Kajol said, "Fights are always difficult, especially when they remain unresolved for some time. At that time when you have such a situation, both sides stand up for themselves. I was associated with both the sides, so I was feeling helpless." Kajol further said, "You have to wait for time to pass, so that the emotions subside. So that things can be fine again. Changes keep happening. It is neither good nor bad. It is written somewhere that change is infinite. This is the only thing that is constant." Why did Ajay Devgn have a fight with

YRF? - In the year 2012, Ajay Devgn's Son of Sardar and Aditya Chopra's Jab Tak Hai Jaan were releasing in theaters on the same day. Ajay's production company ADF sent a complaint against YRF to the Competition Commission of India (CCI) and alleged that YRF has taken advantage of its market position to secure more screens for Jab Tak Hai Jaan, due to which screens for Son of Sardar are limited. Kajol's upcoming film- These days Kajol is seen in the Ajay Devgn produced horror movie Maa. After this, she will be seen in Prithviraj Sukumaran and Ibrahim Ali Khan starrer film Sarzameen, which will stream on OTT platform Jio Hotstar on July 25.

Shweta Tiwari showed her curvy figure in a sleeveless blouse, fans said- 'Nora fails in front of you'

Shweta Tiwari, who made a special place in the hearts of fans as Perna of the TV serial Kasauti Zindagi Ki, is well known for her hot avatar (Shweta Tiwari Hot). Some of her pictures are going viral on social media, in which she is wreaking havoc with her killer style in a sleeveless blouse. Shweta Tiwari's hot photos went viral, killer style seen on social media - TV actress Shweta is the mother of two children. The hot and fit mommy of the cinema world, Shweta Tiwari, does not need any different identity. Shweta, who ruled the hearts of fans as Perna of the TV serial Kasauti Zindagi Ki in 2001, is the mother of two children, but the hotness of this 44-year-old actress is really amazing. Meanwhile, some pictures of Shweta Tiwari's bold photoshoot are going viral on social media, in which Shweta is seen wreaking havoc in a sleeveless blouse. Let's take a look at these unseen photos of the TV actress. Shweta Tiwari's killer look Shweta Tiwari is known as a famous actress of the small screen. She is that name in the world of glamor, who remains a topic of discussion about her personal life apart from her professional life. Not only this, she is very active on social media and keeps sharing the latest pictures on her official Instagram handle every day. Some time ago, Shweta Tiwari shared some photos on Insta in a yellow saree and green sleeveless blouse. In this sexy outfit, she is seen flaunting her sensual style in the swimming pool. In these pictures of Shweta, her curvy figure is seen wreaking havoc. How hot she is in real life can be easily guessed through these pictures. You will not be able to take your eyes off her hot photoshoot. Overall, it cannot be guessed from these photos of Shweta that she is a mother of two children in real life, because she looks so fit and hot. The situation is such that even now these photos of Shweta Tiwari are going viral like fire on the internet. Fans are crazy about Shweta's style. Seeing these hotness-filled photos of Shweta Tiwari on social media, fans are not able to stop themselves from giving their reactions. A user has commented that you are making even Nora Fatehi fail. In this way, all the users are liking and commenting fiercely on her photo.



'India knows...' Yuzvendra Chahal confirmed dating news with RJ Mahvash on Kapil Sharma's show?

Cricketers will be seen participating in The Great India Kapil Show this week. Team head coach Gautam Gambhir, Yuzvendra Chahal, Rishabh Pant and Abhishek Sharma will come as guests and will entertain the audience with their laughter and jokes. During the conversation on this show, Yuzvendra said something about his dating life which made everyone believe that he is dating Mahvash. Yuzvendra confirmed dating RJ Mahvash on Kapil Sharma's show? Yuji's smile gave the answer Team India's star cricketer Yuzvendra Chahal has been in the news for his personal life more than the field for some time now. Recently, he got divorced from Dhanashree Verma, after which rumors started flying that he is dating RJ Mahvash. Both were also spotted together many times. Now they have also confirmed their romance on The Great Indian Kapil Show. Will be seen with the team head coach Chahal appeared on the latest episode of 'The Great Indian Kapil Show' along with cricketer Rishabh Pant and Team India head coach Gautam Gambhir. He spoke many things about his love life on the show. During a segment, Kiku Sharda was seen pulling Chahal's leg over his relationship rumours and asked, "Who is that girl?" Chahal's smile gave the answer Chahal immediately gave a quick reply to this which surprised everyone. Chahal said, "India has known it, 4 months ago." This made people believe that Chahal has indirectly confirmed his relationship with Mahvash, as the two have been seen together in many public places for the last few months. After this the audience starts hooting. Chahal just keeps smiling but doesn't take anyone's name. During the episode, Navjot Singh Sidhu was also seen making fun of Chahal and his relationship. He teased the leg spinner and said, "There is no question of changing the team. Let's change a couple of girlfriends." When did the dating rumors first fly? Let us tell you that there have been reports of Mahvash and Chahal dating for quite some time now. The rumors first started flying when there were reports of a rift in the cricketer's relationship with Dhanashree Verma and Chahal was seen in a photo with Mahvash on the occasion of Christmas. Eventually, they got divorced in March this year and since then Mahvash has been seen with Chahal on many occasions.

